(ग) इन घाटों को कम करने के लिए क्या योजनायें बनाये जाने की परिकल्पना की गई है और क्या इन योजनाओं के संबंध में कोई कार्यवाही की जा रही है; और

(घ) क्या धौलपुर से शरमथुरा तक की मीटर गेज रेलवे लाइन को बड़ी लाइन में बदलने तथा उसे गंगापुर तक बढ़ाये जाने का भी प्रस्ताव है ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) :

(क) राजस्थान में रेलवे नेटवर्क की 60% लाइनें (कुल 6327.3 कि० मी० में से 4005.5 कि० मी०) मीटर लाइनें हैं। मीटर आमान के अन्तर्गत आने वाले स्थानों के नाम उन सभी स्टेशनों के नाम से है जो इस नेटवर्क द्वारा सेवित हैं।

(ख) राज्यवार आंकड़े अलग से नहीं रखे जाते हैं। बहरहाल, मीटर आमान का परिचालनिक अनुपात, अर्थात् खर्च का आमदनी से अनुपात 171% है।

(ग) आमान परिवर्तन के कार्य में वृद्धि करके हानि को कम करने की योजना है। आमान परिवर्तन के लिए चरण-1 में उन खंडों को रखा गया है जो सामरिक/परिचालनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं।

(घ) आमान परिवर्तन की कार्य योजना के अगले चरण में प्रस्तावित मार्ग पर विचार किया जायेगा।

Conversion of Broad Gauge line Between Quilon and Virudhunagar

1513. SHRI PASUMPON THA KIRUTTINAN :
SHRI V. GOPALSAMY :

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) whether any plan for the BG con version of the Quilon-Virudhunagar stretch has been submitted to the Railway Minis try; and

(b) whether any survey has been conducted and any cost assessment has been made; and

(c) if so, the details thereof ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MALLIKARJUN) : (a) and (b) No, Sir.

(c) Does not arise.

Tender Policy

1514. MISS SAROJ KHAPARDE : Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) whether Government have decided to follow open tender policy and to do away with the existing limited tender policy; and

(b) if so, what are the details in this regard ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MALLIKARJUN) : (a) No, Sir. There has been no recent change in the Policy.

(b) Does not arise.

रेलवे में प्रथम श्रेणी के और वातानुकूलित यात्री डिब्बे।

1515. श्री राम नरेश यादव : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) प्रथम श्रेणी और वातानुकूलित यात्री डिब्बों के प्रचालन पर कितनी लागत आती है;

(ख) चालू वर्ष में अब तक प्रथम श्रेणी के और वातानुकूलित कितने यात्री डिब्बे बनाये गये;

(ग) इनमें से कितने डिब्बे देश में इस्तेमाल किये गये और कितने विदेशों को सप्लाई किये गये, इनका श्रेणीवार ब्यौरा क्या है; और

(घ) इन डिब्बों के निर्यात से कितनी विदेशी मुद्रा अर्जित की गई है ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) :

(क) वर्ष 1990-91 के लिए प्रति शाहन कि० मी० की दर्जा-वार लागत (नवीनतम उपलब्ध आंकड़े) नीचे दिए गये हैं:—

(आंकड़े रुपयों में)

मेल/एक्सप्रेस सेवाएं

दर्जा	ब० ला०	मी० ला०
1	2	3
वातानुकूलित पहला दर्जा	4.73	4.53
पहला दर्जा	3.64	4.58
वातानुकूलित शयनयान	4.38	9.29
वातानुकूलित कुर्सीयान	4.18	5.71

(ख) उत्पादन यूनिटों में चालू वर्ष में अप्रैल, 92 से अक्तूबर, 92 तक विभिन्न किस्म के अड़तीस (38) वातानुकूल सवारी डिब्बों का निर्माण किया गया है। चालू वर्ष में पहले दर्जे के सवारी डिब्बों के निर्माण की योजना नहीं है।

(ग) इन सभी सवारी डिब्बों का देश में ही उपयोग किया जा रहा है और ये सवारी डिब्बे निर्यात नहीं किए गए हैं।

(घ) प्रश्न नहीं उठता।

उत्तर प्रदेश में रेलवे लाइन का बदला जाना

1516. **श्री राम नरेश यादव** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) आगामी वर्ष में उत्तर प्रदेश में कितनी छोटी लाइनों के बड़ी लाइनों में बदले जाने की संभावना है और इस योजना के अंतर्गत किन-किन क्षेत्रों को शामिल किया गया है;

(ख) उसी अवधि के दौरान कितनी नई रेलवे लाइनें बिछाये जाने को मंजूरी दी गयी है, तथा उसका क्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है; और

(ग) मऊ/शाहगंज की नई रेलवे लाइन पर कार्य कब से प्रारंभ हो जाने की संभावना है ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) :

(क) संभवत: इस प्रश्न का आशय मीटर लाइन से है।

1. अगले एक वर्ष के दौरान उत्तर प्रदेश में निम्नलिखित मीटर लाइनों को बदले जाने की संभावना है :—

1. मुरादाबाद-बीजेडु
2. मनकापुर-कटरा
3. इलाहाबाद-वाराणसी,
4. लखनऊ-कानपुर, और
5. लालकुआ-काठगोदाम

(ख) अगले एक वर्ष के दौरान निम्नलिखित नई लाइनों को पूरा किये जाने की संभावना है :—

1. मथुरा-डीग और
2. रामपुर-हल्दवानी

(ग) आठवीं योजना के दौरान।

रेलवे की बेकार पड़ी भूमि पर वाणिज्यिक इमारतों का निर्माण

1517. **श्री राम सिंह राठवा** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :—

(क) क्या यह सच है कि सरकार रेलवे की बेकार पड़ी भूमि पर वाणिज्यिक इमारतें बनाये जाने पर विचार कर रही है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) तीन सदस्यों वाली समिति ने इस कार्य हेतु जिन स्थानों का पता लगाया है, वे कौन-कौन से हैं; और

(घ) सरकार द्वारा इन स्थानों पर वाणिज्यिक इमारतें बनाये जाने हेतु क्या प्रयास किये गये हैं ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमल्लिकार्जुन)

(क) और (ख) : रेलवे भूमि के ऊपर के खाली स्थान के वाणिज्यिक दोहन का प्रस्ताव अवधारण के चरण में है। इसमें इमारतों के निर्माण की परिकल्पना की गई है जिनके